



## 1. दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

बचेंद्री को बचपन में रोज 5 किलोमीटर पैदल चलकर स्कूल जाना पड़ता था। बाद में पर्वतारोहण प्रशिक्षण के दौरान उनका यह कठोर परिश्रम बहुत काम आया। आठवीं पास करने के बाद पिता ने उनकी पढ़ाई का खर्च उठाने से मना कर दिया। बचेंद्री ने इसका रास्ता तलाश किया। उन्होंने सिलाई का काम सीखा और सिलाई करके पढ़ाई का खर्च जुटाने लगीं। इस तरह उन्होंने संस्कृत से एम.ए तथा बी.एड. की उपाधि प्राप्त की। पढ़ाई के साथ-साथ बचेंद्री ने पहाड़ पर चढ़ने के अपने लक्ष्य को हमेशा अपने पास रखा।

### गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

- (क) यह गद्यांश किस पाठ से है? इसकी शैली क्या है?
- (ख) आठवीं के बाद बचेंद्री की पढ़ाई क्यों रोक दी गई?
- (ग) अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए बचेंद्री ने क्या किया?